कीटपालन के दौरान स्वच्छता

- कीटपालनगृह में प्रवेश करने के पहले हाथ – पांव को 0.20% सेरिफिट घोल से विसंक्रमित करें।
- प्रत्येक शय्या सफाई के बाद फर्श को 0.20% सेरिफिट से पोछें।
- 0.20% सेरिफिट घोल युक्त बेसिन में रोगग्रस्त / मृत लार्वों को इकट्ठा करके जलाकर नष्ट करें।

सेरिफिट की विशेषताएं

- सेरिफिट का रेशमकीट रोगाणुओं के विरुद्ध रोगाणुनाशी प्रभाव है।
- विसंक्रामक घोल तैयार करना आसान है।
- प्रयोग और परिवहन करना सुविधाजनक है।
- अधिक घुलनशील, गारा (स्लरी) नहीं होता है और फुहारक चंचु (स्प्रेयर नोजिल) को बंद नहीं करता है।
- सभी पर्यावरणीय स्थितियों में प्रभावी है और अनुशंसित सांद्रता में कम क्षयकारी है।
- सेरिफिट विनिर्माण की तिथि से एक साल तक उपयोग में लाया जा सकता है।

सेरिफिट के लाभ

- सेरिफिट अन्य किसी भी विसंक्रामक के जैसा ही सामान्य रेशमकीट रोगाणुओं के विरुद्ध प्रभावी है।
- यह सभी प्रकार की पर्यावरणीय स्थितियों के लिए उपयुक्त है और इसके लिए हवा रहित स्थिति आवश्यक नहीं है।
- अनुशंसित सांद्रता में कम क्षयशील है।
- यह एक वर्ष तक खराब नहीं होता है।
- परिवहन एवं संरक्षण में आसान है।
- क्षेत्र स्तर पर सेरिफिट का उपयोग किए जाने पर विद्यमान अनुशंसित विसंक्रामकों की अपेक्षा कोसा उपज में 6.73 कि.ग्रा/100 रो. मु. बी. चकत्तों की वृद्धि होती है।
- अतः प्रभावी स्वच्छता के लिए सेरिफिट का उपयोग किया जा सकता है।

प्रस्तुतिः

एम. बालवेंकटसुब्बय्या, ए. वी. मेरी जोसेफा,
ए. आर. नरसिंह नायका एवं वी.शिवप्रसाद

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें:

निदेशक
केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु – 570 008
दूरभाष : 0821–2362845 फैक्स : 0821 2362845
वेबसाइट : www.csrtimys.res.in
ईमेल : csrtimys.csb@nic.in

Copies: 1000 January 2019 Design & Layout: J. Justin Kumar

सेरिफिट

प्रभावी स्वच्छता हेतु विसंक्रामक

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थान
(आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित)
केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय
भारत सरकार, श्रीरामपुरा, मैसूरु – 570 008

- रेशम उत्पादन में सबसे संवेदनशील क्रियाकलाप रेशमकीटपालन है । कोसा उत्पादन की मुख्य समस्या रेशमकीटों में रोग लगना है । विभिन्न सूक्ष्म जीव यथा विषाणु, जीवाणु, फफूँद एवं लघु बीजाणु से शहतूत में रोग की उत्पत्ति होती है । ग्रैसरी, फ्लैचरी, मस्कार्डिन और पेब्रिन सामान्य रोग हैं ।

- रोगग्रस्त रेशमकीट कीटपालन वातावरण में रोगाणुओं को निस्रावित करते हैं और यह संक्रमण का स्रोत बन जाता है । इन रोगाणुओं में लंबी अवधि तक वातावरण में सक्रिय रहकर कीटपालन परिसर को संदूषित करने की क्षमता है ।

रोग प्रबंधन

- प्रभावी विसंक्रामक का उपयोग करते हुए रेशमकीटपालन गृह, परिसर एवं कीटपालन उपकरणों का विसंक्रमण ।
- व्यक्तिगत और कीटपालन स्वच्छता बनाए रखना ।
- अनुकूलतम पर्यावरणीय स्थिति और अंतराल में रेशम कीटपालन ।
- पर्याप्त परिमाण में गुणवत्तापूर्ण शहतूत पत्तियाँ खिलाना ।

सेरिफिट का उपयोग करके विसंक्रमण एवं स्वास्थ्य रक्षा

- केंरेअप्रसं, मैसूरु एवं मेसर्स श्री रायलसीमा हाई स्ट्रेंग्थ हाइपो लिमिटेड, कर्नूल, आंध्र प्रदेश द्वारा सेरिफिट (क्लोरिन आधारित उत्पाद) विकसित किया गया ।

0.2% विसंक्रामक घोल की तैयारी

- 100 लीटर पानी में 200 ग्राम सेरिफिट दाने डालकर 0.2% सेरिफिट विसंक्रामक तैयार करें (2.0 ग्रा/लीटर पानी) ।
- सेरिफिट डालने के बाद छड़ी से खूब मिलाएं ।
- विलयन हेतु 30 मिनट रखें ।

विसंक्रमण

- 1.5 लीटर / वर्ग मीटर फर्श क्षेत्र या 140 मिली / वर्ग फुट फर्श क्षेत्र की दर से कीटपालनगृह में (मानक ऊँचाई–3 मीटर / 10 फुट) सेरिफिट घोल छिडकें ।
- यदि कीटपालनगृह की ऊँचाई मानक ऊँचाई से अधिक हो तो प्रत्येक अतिरिक्त मीटर या फुट के लिए कुल विसंक्रमण घोल में यथाक्रम 1.5 लीटर / वर्ग मीटर या 140 मि ली / वर्ग फुट घोल डालें ।
- एक समान छिड़काव सुनिश्चित करने हेतु विद्युत फुहारक का उपयोग किया जाए ।
- पहली फसल पूरा होने के बाद और अगला फसल प्रारंभ करने के पहले, दो बार विसंक्रमण करें । फसल की समाप्ति के बाद एवं फसल की शुरुआत से पहले ।

सावधानियां

- चूँकि विसंक्रामक में अधिक क्लोरिन होता है, इसलिए तैयारी करते समय / विसंक्रमण के दौरान आँख, नाक एवं कान में विसंक्रमण मास्क पहनें ।
- ताप/चिंगारी/आग/तप्त सतह से दूर रखें ।